केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
व्यावसायिक परीक्षा इकाई दिल्ली मुख्यालय

पत्र संख्या अ.शा./अध्यक्ष/एफ.सं.12/हिं.प्रको./हिंदी गतिविधि/2023/6999 दिनांक 19.07.2023 में निहित अनुदेशों के अनुवर्ती कार्रवाई हेतु निदेशक से हुई चर्चा के उपरांत 22 जुलाई, 2023 को व्यावसायिक परीक्षा इकाई में हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई। यह हिंदी के पठन पाठन को बढ़ावा देने पर लक्षित था। हर महीने एक आयोजन हो ताकि प्रत्येक कर्मचारी हिन्दी राजभाषा में अधिकाधिक कार्य करने में रुचि लें और उनकी हिन्दी में कार्य करने की दक्षता में वृद्धि हो। बोर्ड के माननीय अध्यक्ष महोदया के मार्ग-दर्शन एवं अनुदेश के परिपालन में विभाग नें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में, श्री सुंदर, अवर सचिव (हिंदी राजभाषा), नें आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। तदुपरांत, श्री शुभेंदु शेखर दास, संयुक्त सचिव (गोपनीय) ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर प्रश्नोत्तरी की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम, निदेशक (व्यावसायिक परीक्षा) महोदय की अध्यक्षता में हुई। प्रश्नोत्तरी के लिए पाँच समूहों का गठन किया गया जिनमें पाँच अथवा अधिक सदस्य थे तथा सभी की प्रतिभागिता सुनिश्चित की गई। समूह का नामकरण प्रख्यात हिंदी कवियों/साहित्यकारों के नाम पर उनके हिन्दी भाषा में उल्लेखनीय योगदान को स्मरण करते हुए रखा गया। समूहों का विवरण निम्नवत है।

हिन्दी राजभाषा प्रोत्साहन कार्यक्रम (जुलाई माह-2023) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर "प्रश्नोत्तरी" का आयोजन

समूह 1 : **मुंशी प्रेमचंद** समूह (नेतृत्व: निजी सचिव),
समूह 2 : **रामधारी सिंह 'दिनकर'** समूह (नेतृत्व: उप सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी),
समूह 3 : **हरिवंश राय बच्चन** समूह (नेतृत्व: उप सचिव, परीक्षा),
समूह 4 : **महादेवी वर्मा** समूह (नेतृत्व: वरिष्ठ प्रमुख निजी सचिव, निदेशक कार्यालय),
समूह 5 : **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'** समूह (नेतृत्व: अवर सचिव, प्रशासन एवं लेखा)।

सभी सदस्यों ने प्रश्नोत्तरी में उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन पर विजयी समूहों को सम्मानित किया गया।उन्हें हिंदी राजभाषा के प्रचार प्रसार हेतु कार्यक्रम आयोजन करने में एवं उसमें भाग लेने के लिए संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम की झलकियां निम्नवत हैं :

- प्रश्न राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित थे। प्रश्नों का चयन निदेशक महोदय ने किया और अधिकृत किए जाने पर उप सचिव (लेख) श्री शेखर चंद्र ने सभी समूहों से बारी-बारी से निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कुल 25 प्रश्न किए। प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम के दौरान कुल 42 लोगों ने भाग लिया। सभी को बराबर अवसर प्रदान किए गये।
- संयुक्त सचिव,(गोपनीय) और उप सचिव (लेख) ने समूहों से उत्तर प्राप्त होने के पश्चात अंकों की गणना की तथा उन्होंने निर्णायक मंडल का उत्तरदायित्व भी निभाया। प्रत्येक प्रश्न पर निदेशक महोदय ने उत्तर के पश्चात तथ्यात्मक चर्चा की ताकि विषय को सही परिपेक्ष में समझा जा सके।
- सबसे ज्यादा सही उत्तर देने वाले हरि वंश राय बच्चन समूह 3 को 12.5 अंक के साथ प्रथम स्थान मिल। सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' समूह 5 को 12 अंक के साथ द्वितीय तथा मुंशी प्रेमचंद समूह 1 को 7.5 अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

समूह 1 : मुंशी प्रेमचंद

समूह 2 : रामधारी सिंह 'दिनकर'

समूह 3, हरिवंश राय बच्चन

समूह 4 : महादेवी वर्मा

अगले पृष्ठ पर जारी...

समूह 5 : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

- उत्साहित प्रतिभागी गण निदेशक द्वारा सम्मानित होते हुए -

(समूह 3) प्रथम स्थान

(समूह 5) द्वितीय स्थान

(समूह 1) तृतीय स्थान

(समूह 2) प्रतिभागिता सम्मान

(समूह 4) प्रतिभागिता सम्मान

प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम के उपरांत नीति से संबंधित ज्ञानवर्धक जानकारी साझा की गई। निदेशक महोदय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि नीति एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की बात करता है जिससे सभी को गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त हो जिससे देश वैश्विक पटल पर ज्ञान की महाशक्ति के रूप में स्थापित हो सके। इस नीति में बचपन की देखभाल और शिक्षा पर जोर दिया गया है। 10+2 प्रणाली को प्रतिस्थापित करके नई अकादमिक संरचना 5+3+3+4 प्रणाली लाई गई है। मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) पर ध्यान दिया गया है। विद्यार्थी किसी भी धारा के विषयों का चुनाव कर सकते हैं। इसमें सीखने सिखाने की प्रक्रिया को समग्र, एकीकृत, सुखद और आकर्षक होने पर जोर दिया गया है। शिक्षक सशक्तिकरण, समावेशी शिक्षा, स्कूल शिक्षा में मानकों का निर्धारण के महत्व पर बल दिया गया है। शिक्षण, सीखने और मूल्यांकन में प्रौद्योगिकी के अधिकाधिक प्रयोग पर जोर है। परीक्षाओं को 'आसान' तथा दक्षताओं के आकलन पर आधारित होने पर जोर दिया गया है। शिक्षा नीति कक्षा 5 तक मातृ भाषा और स्थानीय भाषा के उपयोग पर जोर देती है। छात्र अपने स्कूल में तीन भाषाएं सीखेंगे। बच्चों द्वारा सीखी गई तीन भाषाएं राज्यों, क्षेत्रों से छात्रों की पसंद की होंगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

निदेशक महोदय ने सभी सदस्यों से हिंदी के प्रसार हेतु सुझाव मांगे। संयुक्त सचिव (गोपनीय) महोदय ने इस संबंध में सदस्यों से पुस्तकालय का अधिकतम उपयोग करके विभिन्न कवियों /साहित्यकारों के लेख, कहानी, संस्मरण आदि पढ़कर साप्ताहिक रूप में पुस्तक समीक्षा जैसी गतिविधि आयोजित करने का आग्रह किया जिस पर सभी के द्वारा सहमति प्रकट की गई। इसके साथ अनुभाग में जिन कर्मचारियों की लेख, कविता में रूचि है, उनके लिखे लेख, कविताओं को इकाई के बोर्ड/पट्ट पर प्रदर्शित कर उन्हें प्रोत्साहित करने लिए भी कहा गया ताकि हिंदी के प्रति सकारात्मक माहौल बने और हिंदी राजभाषा के प्रचार प्रसार कार्य में और संवेग आए ।

निदेशक महोदय द्वारा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का उनके सहयोग के लिए धन्यवाद किया गया तथा कार्यक्रम का समापन हिन्दी में अधिकाधिक कार्य करने के संकल्प के साथ किया गया।